Raj Express (Indore), 27th July 2024, Page-04

करियर

आईआईटी इंदौर में इस साल बीटेक प्रोग्राम के लिए 9 विषयों के आफर

आईआईटी इंदौर में बीटेक में लिया 477 स्टूडेंट्स ने एडमिशन

इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर में इस साल बीटेक प्रोग्राम के लिए 477 स्टूडेंट्स ने रुचि दिखाई। नए बी.टेक स्टूडेंट्स का ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया गया। इसमें 101 छात्राओं, 1 ओसीआई व 37 प्रिपरेटरी सहित विभिन्न प्रोग्राम में करीब 477 स्टूडेंट्स ने नामांकन करवाया। इस अवसर पर, मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन एंड इंजीनियरिंग (एमसीटीई) के लेफ्टिनेंट जनरल केएच गवास बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। आईआईटी इंदौर की परंपरा के अनुसार, शामिल हुए नए स्टूडेंट्स के लिए शुक्रवार से 6 दिनों के जीवन कौशल, शैक्षणिक, अनुसंधान वं विकास, स्टूडेंट कार्य, ट्रेनिंग व प्लेसमेंट, इनोवेशन व इन्क्यूबेशन, अंतर्राष्ट्रीय आउटरीच, सुरक्षा, छात्रावास व चिकित्सा सुविधाएं, पुस्तकालय व अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ पर जेनेसिस नामक एक कार्यक्रम में भाग लेंगे।

9 बीटेक प्रोग्राम ऑफर किए: इस वर्ष, स्पेस साइंस एंड इंजीनियरिंग, केमिकल इंजीनियरिंग, मैथमेटिक्स एंड कम्प्यूटिंग, इंजीनियरिंग फिजिक्स, कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग और मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग एंड मैटेरियल्स साइंस सहित कुल 9 बीटेक प्रोग्राम ऑफर किए।

युद्ध में प्रौद्योगिकी निभा रहा महत्वपूर्ण भूमिका

लेफ्टिनेंट जनरल केएच गवास ने कहा कि आज युद्ध में प्रौद्योगिकी एक महत्वपूर्ण और निर्णायक कारक की भूमिका निभा रही है। एआई, रोबोटिक्स, अंतरिक्ष आधारित प्रौद्योगिकी, नैनो प्रौद्योगिकी आदि जैसी उभरती हुई प्रौद्योगिकियां डिस्पटिव प्रौद्योगिकियों के रूप में उभर रही हैं। जबकि हम अभी भी दुनिया के सबसे बड़े रक्षा आयातकों में से एक हैं। हमें इस चिंता को दूर करने और इन प्रौद्योगिकियों को स्वदेशी रूप से महत्वपूर्ण सैन्य क्षमताओं में बदलने के लिए हमारे युवा, उज्जवल, अभिनव आईआईटीयन की आवश्यकता है। स्टूडेंट्स को अनुशासन, समर्पण और नवाचार की भावना को बढ़ावा देने की सलाह दी, साथ ही ज्ञान, टीम भावना और नेतृत्व के लिए आईआईटी में अध्ययन के इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाने की भी सलाह दी।

किसी ओर की जगह स्वयं से करें प्रतिस्पर्धा

संस्थान के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी ने कहा, स्टूडेंट्स को यह समझने की जरूरत है कि वे यहां एक उद्देश्य के लिए हैं। सामाजिक आवश्यकताओं को समझना होगा। इसे अपनी मुख्य जिम्मेदारी के रूप में लें और ऐसे समाधान विकसित करने के लिए नए विचारों के साथ आगे आएं जो सामान्य वर्ग के बीच रहने वाले लोगों के लिए फायदेमंद होंगे। हमेशा स्वयं से प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए, न कि किसी और से। यदि आप ऐसा करते हैं, तो आप हमेशा अपने कौशल बेहतर बनाएंगे और अधिक जिम्मेदार बनेंगे। जैसा कि हमारी परंपरा रही है, इस वर्ष भी नए बीटेक स्टूडेंट्स को एमसीटीई, महू का दौरा करने और एक दिवसीय प्रशिक्षण व जीवन कौशल कार्यशाला में भाग लेने का अवसर दिया जा रहा है।